कृषि लोक
कृषि एवं किसान के लिए ई-पत्रिका
http://www.rdagriculture.in
e-ISSN No. 2583-0937

मिलावटी व नकली उर्वकरो को कैसे पहचाने?

रजनी यादव, संदीप कुमार गौतम, कौटिल्य चौधरी*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा, भारत

*संबंधित लेखक: kautilya@hau.ac.in

परिचय

किसानो द्वारा किये जाने वाले कृषि निवेशों में सबसे अधिक लागत वाली सामग्री रासायनिक उर्वरक है । उर्वकरो के उपयोग की अवधि बढ़ाने हेतु उर्वरक निर्माता द्वारा नकली एवं मिलावटी उर्वरक बनाए एवं बाजार में उतारने की कोशिश होती है। नकली एवं मिलावटी उर्वरको की समस्या से निपटने के लिए यद्यपि सरकार प्रतिबद्ध है। फिर भी यह जरुरी है की खाद खरीदते समय किसान उर्वकरो की शुद्धता मोटे तौर पर उसी तरह से परख ले जैसे बीजो की शुद्धता बीज को दांतो से कट्ट और किच्च की आवाज से तथा दूध की शुद्धता की जांच उसे अंगुंली से टपका कर लेते है।

e-ISSN No. 2583-0937

कृषको के बीच प्रचलित उर्वरकों में से प्रायः डी.ए.पी., जिंक, यूरिया तथा एम.ओ.पी. नकली/मिलावटी रूप में बाजार में उतारे जाते है। खाद खरीदते समय कृषक इसकी प्रथम परख निम्न सरल विधि से कर सकते है। और अगर उर्वरक नकली पाया जाए तो इसकी पुष्टि किसान सेवा केन्द्रो पर उपलब्ध टेस्टिंग किट से की जा सकती है। टेस्टिंग किट किसान सेवा केन्दों पर उपलब्ध कराए जा रहें है। मिलावटी खाद मिलने की स्थिति में विविध कार्यवाही किए जाने हेतु इसकी सूचना जनपद क उप कृषि निदेशक (प्रसार)/जिला कृषि अधिकारी एवं कृषि निदेशक को दी जा सकती है ।

यूरिया की पहचान कैसे करें-

यूरिया की असली पहचान यह है की, इसके सफेद चमकदार लगभग समान आकार के गोल कड़े दाने तथा इसका पानी में पूर्णतया घुल जाना तथा घोल छूने पर शीतल अनुभूति होना ही असली पहचान है। यूरिया को तवे पर गर्म करने से इसके दाने पिघल जाते है, और यदि हम आंच तेज कर दे और इसका कोई अवशेष नही बचे तो समझ ले यही असली यूरिया की पहचान है।

डी.ए.पी. की पहचान कैसे करें-

डी.ए.पी. के कठोर दाने भूरे काले एवं बादामी रंग के होते है सख्त होने के कारण नाखून से आसानी से नही टूटते है । डी.ए.पी. के कुछ दानों को हाथ में लेकर तम्बाकू की तरह उसमें चूना मिलाकर मलने पर यदि इसमें तीक्षण गन्ध निकले जिसे सूधना मुश्किल हो जाये तो समझे की ये डी.ए.पी.असली है। डी.ए.पी. को पहचानने की एक और सरल विधि है। यदि डी.ए.पी. के कुछ दाने धीमी आंच में तवे पर गर्म करें और यदि ये दाने फूल जाते है, तो यह डी.ए.पी. असली है।

सुपर फास्फेट की पहचान कैसे करें-

सुपर फास्फेट के दाने सख्त तथा इसका रंग भूरा काला बादामी ही इसकी पहचान है। किसान भाइयो इसके कुछ दानो को गर्म करें यदि ये नहीं फूलते है तो समझ ले यही असली सुपर फास्फेट है।

पोटाश की पहचान कैसे करें-

पोटाश की असली पहचान है इसका सफेद कणाकार पिसे नमक तथा लाल मिर्च जैसा मिश्रण है। यदि पोटाश के कुछ दानों को नम करें और वो आपस में चिपके नहीं तो समझ ले की ये असली पोटाश है। पोटाश को पानी में घोलने पर इसका लाल भाग पानी में ऊपरी सतह पर तैरता रहता है।

जिंक सल्फेट की पहचान कैसे करें-

इसके दाने हल्के सफ़ेद पीले तथा भूरे बारीक़ कण के आकार के होते है। जिंक सल्फेट में प्रमुख रूप से मैगनीशियम सल्फेट की मिलावट की जाती है। इसको जब डी.ए.पी. के घोल मे मिलते है, तो थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है। जबकि डी.ए.पी. के घोल के साथ मैगनीशियम सल्फेट का घोल मिलाने पर ऐसा नहीं होता है। यदि हम जिंक सल्फेट के घोल में पतले कास्टिक का घोल मिलाये तो सफेद मटमैला मांड जैसा अवशेष बनता है। यदि इसमें गाढ़ा कास्टिक का घोल मिला दे तो ये अवक्षेप पूर्णतया घुल जाता है।